पाठ - नमक कक्षा - 12वीं विषय - हिंदी

## पाठ्यपुस्तक से हल प्रश्न

### पाठ के साथ

1. *सफ़िया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से क्यों मना कर दिया?* [CBSE 2009 (C) Delhi]

अथवा

*नमक की पुड़िया को लेकर सफ़िया के मन में क्या द्वंद्व था? सफ़िया के भाई ने नमक ले जाने के लिए मना क्यों कर दिया था?* [CBSE (Delhi) 2013]

**उत्तर** नमक की पुड़िया को लेकर साफ़िया के मन में यह द्वंद्व था कि वह नमक कस्टम अधिकारियों को दिखाकर ले जाए या चोरी से छिपाकर। सफ़िया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से मना कर दिया क्योंकि पाकिस्तान से भारत को नमक का निर्यात प्रतिबंधित था। यह गैरकानूनी था। दूसरे, कस्टम अधिकारी नमक की पुड़िया निकल आने पर बाकी सामान की भी चिंदी-चिंदी बिखेर देंगे। इससे बदनामी भी होगी। तीसरे, भारत में पर्याप्त मात्रा में नमक है।

2. *नमक की पुड़िया ले जाने के संबंध में सफ़िया के मन में क्या द्वंद्व था?* [CBSE 2012 Outside]

या

*नमक की पुड़िया ले जाने न ले जाने के बारे में साफ़िया के मन का द्वंद्व स्पष्ट कीजिए।*

[CBSE (Delhi) 2015, Set-III]

**उत्तर** नमक की पुड़िया ले जाने के संबंध में सफ़िया के मन में यह द्वंद्व था कि वह नमक की पुड़िया को चोरी से छिपाकर ले जाए या कस्टम अधिकारियों को दिखाकर ले जाए। पहले वह इसे कीनुओं की टोकरी में सबसे नीचे रखकर कीनुओं से ढक लेती है। फिर वह निर्णय करती है कि वह प्यार के इस तोहफे को चोरी से नहीं ले जाएगी। वह नमक की पुड़िया को कस्टम वालों को दिखाएगी।

3. *जब सफ़िया अमृतसर पुल पर चढ़ रही थी तो कस्टम ऑफ़िसर निचली सीढ़ी के पास सिर झुकाए चुपचाप क्यों खड़े थे?*

**उत्तर** सफ़िया अमृतसर पुल पर चढ़ रही थी और इधर कस्टम ऑफ़िसर निचली सीढ़ी के पास सिर झुकाए चुपचाप खड़े थे। सिख बीबी का प्रसंग छिड़ने पर उन्हें अपने वतन की याद आ रही थी। वे सिख बीबी व सफ़िया की भावना से भी प्रभावित थे। उन्हें लगता रहा था कि दूसरी जगह आकर भी अपने वतन की चीज़ें बहुत याद आती हैं। राजनीतिक उद्देश्यों ने सबको एक-दूसरे से अलग कर दिया।

4. *लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा या मेरा वतन ढाका है जैसे उद्‌गार किस सामाजिक यथार्थ का संकेत करते हैं?*

**उत्तर** ये कथन उस सामाजिक यथार्थ का संकेत करते हैं कि राजनीतिक तौर पर लोग भले ही विस्थापित हो जाते हों, परंतु भावनात्मक लगाव मातृभूमि से ही रहता है। राजनीतिक बँटवारे लोगों के दिलों को बाँट नहीं पाए। वे लोगों को अलग रहने पर मजबूर कर सकते हैं, परंतु उनका प्रेम अंतिम समय तक मातृभूमि से रहता है।

5. *नमक ले जाने के बारे में सफ़िया के मन में उठे द्वंद्व के आधार पर उसकी चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।*

[CBSE 2011 Outside (C)]

**उत्तर** नमक ले जाते समय सफ़िया के मन में अनेक द्वंद्व उठे। इससे उनके चरित्र की निम्नलिखित विशेषताएँ उभरकर आती हैं—

(i) **भावुक**—सफ़िया भावुक है। वह सिख बीबी की भावनाओं को मानती है तथा उसी के आधार पर लाहौरी नमक भारत ले जाना चाहती है। यह गैरकानूनी है, यह जानते हुए भी वह भावनाओं को बड़ा मानती है।

(ii) **वायदे की पक्की**—सफ़िया सैयद है। सैयद होने के नाते वह अपने वायदे को किसी भी कीमत पर पूरा करना चाहती है वह नमक ले जाने के लिए हर गलत-सही तरीके पर विचार करती है।

(iii) **व्यावहारिक**—सफ़िया व्यावहारिक है। वह प्रेम के तोहफ़े को चोरी से नहीं ले जाना चाहती। वह दोनों देशों के कस्टम अधिकारियों के सामने अपनी बात रखती है तथा अपने तर्कों से उन्हें अपने पक्ष में करने में सफल हो जाती है। इस तरीके से वह नमक की पुड़िया लाने में सफल होती है।

6. *'मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से ज़मीन और जनता बँट नहीं जाती है।'—उचित तर्कों व उदाहरणों के जरिए इसकी पुष्टि करें।* [CBSE 2008 Outside (C)]

**उत्तर** मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से ज़मीन और जनता बँट नहीं जाती है।—लेखिका का यह कथन पूर्णतय सत्य है। राजनीतिक कारणों से मानचित्र पर लकीर खींचकर देश को दो भागों में बाँट दिया जाता है। इससे ज़मीन व

जनता को अलग-अलग देश का लेवल मिल जाता है, परंतु यह कार्य जनता की भावनाओं को नहीं बाँट पाता। उनका मन अंत तक अपनी जन्मभूमि से जुड़ा रहता है। पुरानी यादें उन्हें हर समय घेरे रहती हैं। जैसे ही उन्हें मौका मिलता है, वे प्रत्यक्ष तौर पर उभरकर सामने आ जाती हैं। 'नमक' कहानी में भी सिख बीबी लाहौर को भुला नहीं पाती और 'नमक' जैसे साधारण चीज़ वहाँ से लाने की बात कहती हैं। कस्टम अधिकारी नौकरी अलग देश में कर रहे हैं, परंतु अपना वतन जन्म प्रदेश को ही मानते हैं। सभी का अपनी जन्म स्थली के प्रति लगाव है।

7. *नमक कहानी में भारत व पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है, कैसे?* [CBSE 2010 Delhi]

**उत्तर** 'नमक' कहानी में भारत व पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है। उनमें प्रेम और स्नेह का स्वाद है। इस स्वाद में अपनापन है। लेखिका का अपने भाइयों, परिचितों से स्नेह, सिख बीबी का लाहौर से लगाव, कस्टम अधिकारियों का दिल्ली व ढाका से जुड़ाव ये सब दोनों देशों की जनता के बीच स्नेह को दर्शाता है। लिखो और याद करो Savit 7/4/2020